

में भूल गई री दादी

में भूल गई री दादी घर से माँ में आती
थारे नाम की बुली चुन्दडी थारे मंगल पाठ में आती,
में भूल गई री दादी घर से माँ में आती

छोटा छोटा टाबरियां में सागे खीच ले आई
करे दादी ज्योति दर्शन तो नैना ज्योत समाई
म्हारे अंगना सती है दादी में पालना झुलाती
में भूल गई री दादी घर से माँ में आती

शिंंगार की शोभा चमके दादी शीश पे छत्र लटके
माथे बिंदी सूर्ये मनी हर चुंदनी हीरा चमके
नाके नथनी लाल जड़ी है गल कर्ण फूल है दाती
में भूल गई री दादी घर से माँ में आती

तेरी हरी भरी रहे भगियाँ माँ तेरे आँचल,
खुशियाँ रहे सदा सुहागन दादी तेरी सखी सहेली
जन मंगल पाठ की भावना हिरदे में ज्योति जगाती
में भूल गई री दादी घर से माँ में आती

तू अधि माँ है शक्ति नव् दुर्गे संग है चलती
थारो धरती बनो देवरो माँ पूरण रक्शा तू करती
रख हाथ दया का सजन कं कं महिमा गाती
में भूल गई री दादी घर से माँ में आती

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17114/title/main-bhul-gai-ri-dadi>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |